"दुसरों की सहायता करना"

दयालु सामरी एक परदेशी की सहायता करता है।

प्रार्थनाः हमारे पिता, हमारी मदद कर कि हम अपने जरूरतमन्द पड़ौसी को सहायक की तरह प्रेम करें।

वह गतिविधियॉं चुनिए जो बच्चो की तथा स्थानिय रीति रिवाज के अनुसार हो। लूका अध्याय 10:25–37 में ढूंढे कि परमेश्वर हमसे चाहता है कि कैसे दुसरे लोगो से व्यवहार करें। यदि हम जानते भी नहीं और न उन्हें पसन्द करते हैं।

- अध्यापक या बड़ा बच्चा लूका 10:25–37 से दयालु सामरी की कहानी सुनाए।
- व्याख्या कीजिए कि घायल मनुष्य यहूदी था और जिसने दया दिखाई वह दुसरी जाति का सामरी था। यहूदी और सामरी एक ही सामान्य क्षेत्र में रहते थे मगर शत्रु थे।

- बच्चो से **प्रश्न** पूछिए:–

1. सामरी के आने से पहले कितने लोग वहाँ से गुजरे।
2. याजक और लेवी उसकी जाति के धार्मिक लोग थे। आप क्या सोचते हैं कि वह सहायता के लिए क्यों नहीं रूके।
3. सामरी दुसरी जाति का था जो घायल व्यक्ति के लोगो से लड़ते थे। उसने उस आदमी के बारे में क्या सोचा।
4. सामरी ने उस व्यक्ति के लिए क्या किया।
5. इस कहानी में यीशु किसका उदाहरण देते है जिस पर हमको चलना है।

लूका 10:25–37 से दयालु सामरी की कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। पहले इसको दुबारा करे फिर अराधना के समय बड़ों के लिए प्रस्तुत करें। कहानी का साधारण नाटक करे। बड़ों की सहायता ले सकते हैं।

- जवान बच्चे चोर, घायल यहूदी, याजक और लेवी का पात्र करें। वह कुछ बोलेंगे नहीं, वह बिना बोले ही अभिनय करेंगे।
- वार्तालाप केवल अन्त में होगा जब सामरी सराय के मालिक से कहेगा "इसकी सेवा पहले करना और जो कुछ तेरा और लगेगा, वह मैं लौटने पर तुझे दे दुंगा"। आप चाहे तो इसे बिना सँवाद के भी कर सकते हैं, सिर्फ सकेंतो के द्वारा।
- अभ्यास के लिए, कलाकार कहानी को पढ़े और वही करे जो लिखा है। बिना बोले अभिनय करने के लिए, आपके चेहरे पर चेतना और हावभाव स्पष्ट मालुम होने चाहिए।
- दो बड़े बच्चे पुरूष गधा और दयालु सामरी बने। जब वह झुके तो उन पर एक कम्बल डाल दें।

एक पूँछ लगा दें (पुराना कपड़ा या तिनका) एक तरफ एक सिर और लम्बे कान, जो गत्ते या कपड़े के बने हो, लगा दे। गधे को रखने दो "ही-हाव"

- बड़ों को पहले मत बताओ कि वह कौन सी नाटिका प्रस्तुत कर रहे है। बड़ों को अनुमान लगाने दो कि क्या कहानी है।

एक गधे का चित्र खींचिए यह दर्शाने के लिए कि हम दुसरे की मदद कैसे कर सकते हैं, एक दुसरे के बोझ को जीवन में ढोकर।

कविताः तीन बच्चे भजनसहिंता से तीन पद बोले। भजनसहिंता 41:1-3

क्या ही धन्य है वह जो कंगाल की सुधि रखता है।
विपत्ति के दिन यहोवा उसको बचाएगा
यहोवा उसकी रक्षा करके उसको जीवित रखेगा,
और वह पृथ्वी पर भाग्यवान होगा।
तू उसको शत्रुओ की इच्छा पर नहीं छोड़ेगा।
जब वह व्याधि के मारे शय्या पर पड़ा हो
तब यहोवा उसे सम्भालेगा, तू रोग में
उसके पूरे बिछौने को उलटकर ठीक करेगा।

प्रदर्शन

- मोमबत्ती जलाकर मेज पर रखें।
- एक बड़ा बक्सा इसके ऊपर उल्टा करके रखे, इसकी रोशनी छुपाने के लिए। उस चीज का प्रयोग न करें जो आग पकड़ लेती है।
- मत्ति अध्याय 5:14-16 पढ़े और बक्सा हटा लें। वर्णन करें कि परमेश्वर के लिए सच्चा प्रेम हमें जरूरतमन्दो की सेवा के लिए मोड़ता है।

मत्ति 5:16 **याद करें।**

प्रार्थनाः

"पिता हमारी सहायता कर कि हम अपने चारो तरफ लोगो की ज़रूरतो को देख सकें।
उनकी मदद करने में हमारी सहायता कर, चाहे हम उनको जानते हो या नहीं।
हमारी सहायता कर कि हम उनको लाभदायक तरीके से प्रेम करें।
हमें उन लोगो को प्रेम करने में मदद कर जो न तो दोस्त है, न परिवार के सदस्य और शत्रु भी
यीशु के नाम से, आमीन।"